आया राखी का त्योहार...

तैयारियों से बाजार गुलजार, रौनक चरम पर

नवभारत न्यूज

इंदौर. रक्षाबंधन का पर्व 9 अगस्त को मनाया जाएगा. शहर के बाजारों में रक्षाबंधन की रौनक दिखाई देने लगी है. बाजारों में रंग-बिरंगी राखियों की दुकानों पर बहनों की भीड़ उमड़ पड़ी है. दुकानों पर पारंपरिक, कलाई पर सजने वाली डिजाइनर राखियां, कार्टून राखियाँ, मोटी-मोटी मोलियों से सजी राखियाँ और पूजा थालियों की सजावट ने बाजार को सजग और जीवंत बना दिया है.

शहर के राजवाड़ा, सराफा, मालवा मिल, विजय नगर, छावनी और छप्पन दुकान जैसे प्रमुख बाजारों में राखियों और उपहारों की दुकानें सज चुकी हैं. छोटे बच्चों के लिए खास तौर पर कार्टून कैरेक्टर्स वाली राखियाँ पसंद की जा रही हैं. पिछले वर्षों की तुलना में इस बार त्योहार के पहले ही सप्ताह में ग्राहक बड़ी संख्या में खरीदारी कर रहे हैं. कई दुकानदारों ने बताया कि ऑनलाइन खरीदारी के विकल्प के बावजूद लोग बाजार आ रहे हैं.

रेलवे स्टेशन पर उमड़ी रही भारी भीड़

नवभारत न्यूज

इंदौर. जैसे ही रक्षाबंधन और स्वतंत्रता दिवस जैसे बड़े त्योहार पास आए, इंदौर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी है. प्लेटफॉर्म पर पैर धरने की जगह नहीं बची. परिजनों से मिलने घर जाने वालों की संख्या इतनी रही कि ट्रेनों में चढ़ना-उतरना भी चुनौती बन गया.

स्टेशन पर सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ बनी हुई है. सामान्य बोगियों से लेकर आरक्षित डिब्बों तक में यात्रियों से भरे हुए जा रहे हैं. कई यात्रियों को खड़े-खड़े ही लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. वहीं स्टेशन परिसर में सामान लेकर दौड़ते यात्री, बच्चों को संभालती महिलाएं और फोन पर कोच तलाशते लोग त्योहार की गहमा-गहमी को दिख रही है. रेलवे प्रशासन ने अतिरिक्त बोगियां लगाने और विशेष ट्रेनों के संचालन की बात कही है, लेकिन यात्रियों की बढ़ती भीड़ के सामने यह इंतज़ाम भी नाकाफी साबित हो रहे हैं.

खजराना गणेश को स्वदेशी राखी होगी अर्पित

नवभारत न्यूज

इंदौर. रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष भद्रा मुक्त शुभ मुहूर्त में मनाया जाएगा. प्रतिवर्ष की परंपरा अनुसार, इस वर्ष भी खजराना गणेश मंदिर में भगवान गणेश को विशाल राखी बांधी जाएगी. इस राखी को तैयार करने की परंपरा पिछले 21 वर्षों से शांतु-पुण्डरीक पालरेचा परिवार द्वारा निभाई जा रही है. इस बार की राखी विशेष रूप से चर्चा में है क्योंकि इसे पूर्णत: स्वदेशी और प्राकृतिक वस्तुओं से तैयार किया गया है.

राखी की लंबाई 40×40 इंच है और इसे बनाने की प्रक्रिया लगभग तीन माह पूर्व प्रारंभ हुई थी. इसमें गद्दा, फोम, सलमा-सितारे, रेशम, जरदोसी, और प्राकृतिक सामग्री जैसे रुद्राक्ष, सुपारी, लॉंग, इलायची, साथ ही चांदी, सोने का वर्क आदि का उपयोग किया गया है. इस बार की विशेष बात यह रही कि जब चीन व तुर्की के सामान के बहिष्कार की लहर चली, तब इस परिवार ने भी यह निश्चय किया कि इस बार की राखी पूरी तरह स्वदेशी होगी.

अब घर पहुंचेगा ड्राइविंग लायसेंस

चर्चा का जवाब देते हुए परिवहन मंत्री ने किया आश्वस्त

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 6 अगस्त. प्रदेश में अब ड्राइविंग लायसेंस पासपोर्ट की तरह घर पहुंचेगा. ड्रायविंग लायसेंस बनाने के लिये फेसलेस प्रक्रिया भी शुरू होगी. परिवहन विभाग संपर्क विहीन व्यवस्था बनाने की तैयारी में है, जिससे कि परिवहन विभाग से जुड़े कामों के लिये विभाग के अमले से संपर्क ही न करना पड़े.

अपने मोबाइल से ही लर्निंग लायसेंस बनाया जा सकेगा, टैक्स, पैनाल्टी सहित अन्य शुल्क भी व्यक्ति घर बैठे ही जमा कर सकेगा. यह जानकारी बुधवार को सदन में परिवहन मंत्री उदयप्रताप सिंह ने मप्र मोटरयान कराधान संशोधन विधेयक 2025 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए दी. मंत्री के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया. चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि प्रदेश में वाहनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ही नये अधिनियम की जरुरत महसूस हो रही है. उन्होंने कहा कि पहले मोटरयान का टैक्स जमा नहीं करने पर देय कर पर महज 4 फीसदी की दर से पैनाल्टी की गणना की जाती थी, जो कि लंबित देयक से दोगुना से अधिक नहीं हो सकती थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 4 गुना कर दिया गया है. अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड वाहनों द्वारा देय कर जमा नहीं करने पर उनके देय कर की चार गुना तक पैनाल्टी अब लगाई जायेगी. पहले बिना परमिट चलने वाले यात्री वाहन और स्कूल बसों को जीवनकाल की टैक्स का महज 25 फीसदी ही पैनाल्टी देना होता था, अब उन्हें प्रति सीट एक हजार के हिसाब से पैनाल्टी देना होगा.

चेक पोस्ट बंद होने के बाद भी भ्रष्टाचार नहीं रुका

इससे पहले विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने प्रदेश में परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रमुखता से उठाया. कांग्रेस के विजय रेवनाथ चौरे ने कहा कि चेक पोस्ट बंद कर दिये, लेकिन भ्रष्टाचार नहीं रूका. सौरभ शर्मा तो छोटी मछली है. उसके पास 52 किलो सोना और करोड़ों की नगदी कहां से आ गई. इसके पीछे कौन है.

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने भोपाल में देखी उज्जैन सिंहस्थ की तैयारी

- कलेक्टर ने मुख्यमंत्री को सौंपी योजना, 29 किमी लंबे घाट भी हों रहे तैयार
- मुख्यमंत्री ने एक्स पर किया ट्वीट
- 2027 तक बड़े निर्माण कार्य होंगे पूरे

नवभारत न्यूज

उज्जैन. महाकुंभ 2028 में बड़े निर्माण कार्य 2027 तक समाप्त हो जाएंगे, सबसे अहम 29 किलोमीटर लंबे घाट का निर्माण है, जिसमें 5 करोड़ श्रद्धालु एक दिन में स्नान कर सकेंगे, इस प्रकार का ट्वीट मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी एक्स पर किया है. उज्जैन कलेक्टर ने भोपाल पहुंचकर सिंहस्थ की तैयारियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया.

सिंहस्थ 2028 की भव्य तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं. उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को सिंहस्थ की प्रचलित योजना प्रस्तुत की, जिसमें तीर्थराज उज्जैन को वैश्विक स्तर पर धार्मिक, सांस्कृतिक और सुविधाजनक बनाने के खाके पर चर्चा हुई.

29 किलोमीटर लंबे घाट

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए 29 किलोमीटर लंबे घाट बनाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालुओं को स्नान और अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधा मिल सकेगी. यह घाट शिप्रा नदी के किनारे विकसित किए जाएंगे, जिनमें पर्यावरण संतुलन और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाएगा.

विकास कार्यों को मिल रही गति

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उज्जैन में विभिन्न विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें सड़क, बिजली, पानी, स्वच्छता, पार्किंग और यातायात व्यवस्था शामिल है. सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट सिटी मॉडल पर योजनाएं बनाई जा रही हैं, जिससे श्रद्धालुओं को सुविधा मिले और शहर का गौरव भी बढ़े.

कलेक्टर ने दी विस्तृत प्रस्तुति

नवभारत से चर्चा में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री को सिंहस्थ की समस्त योजना, निर्माण कार्य के सम्बंध में बताया है, सिंहस्थ क्षेत्र, प्रवेश-निकास मार्ग, यातायात व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाएं, अस्थायी आवास और आपदा प्रबंधन जैसी सभी व्यवस्थाओं पर फोकस किया गया है.

श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा सर्वोपरि है और सभी विकास कार्य समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे होने चाहिए. प्रशासनिक मशीनरी को हर स्तर पर सजग और तत्पर रहने के निर्देश भी दिए गए हैं.

वैश्विक आयोजन रहेगा

सिंहस्थ 2028 उज्जैन के लिए न केवल एक धार्मिक पर्व होगा, बल्कि यह शहर की सांस्कृतिक और बुनियादी पहचान को वैश्विक मंच पर पेश करने का भी अवसर है. मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन की गंभीरता से यह साफ है कि यह आयोजन ऐतिहासिक बनने जा रहा है. सिंहस्थ कि उक्त बैठक में मेला अधिकारी और इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह, उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ,विकास प्राधिकरण सीईओ संदीप सोनी भी उपस्थित रहे.

पश्चिम रेलवे-रतलाम मण्डल

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु IREPS पोर्टल के माध्यम से खुली निविदाएं आमंत्रित करते हैं: **निविदा क्रमांक:-** EL/TRD/58/2025-26/09, **कार्य का नाम:-** Replacement of existing OHE structures having less Implantation along with Updrooping and Leaning OHE mast over Ratlam Division, **अनुमानित लागत:-** Rs. 3,17,25,016/-, **बयाना राशि:-** Rs. 3,08,600/-, **समापन अवधि:-** 12 Months, **निविदा दस्तावेज की राशि:-** Nil, **ऑनलाइन बिडिंग बंद होने की दिनांक एवं समय:-** 01.09.2025 at 15:00 hrs, **ऑफर की वैधता:-** 60 days from the date of opening, **वेबसाइट:-** www.ireps.gov.in., **नोटिस बोर्ड:-** वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, कर्षण वितरण, रतलाम मंडल, पश्चिम रेलवे के कार्यालय के प्रवेश द्वार के सामने

(No.: EL/TRD/58/2025-26/09)
Date: 05.08.2025
13/1/173 **Sr.DEE/TRD/RTM**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मराल ओवरसीज़ लिमिटेड

सीआईएन: L17124MP1989PLC008255

पंजीकृत कार्यालय: मराल सरोवर, ग्राम एवं पोस्ट खलबुर्जुग, तहसील कसरावाद, जिला खरगोन – 451 660, (मध्य प्रदेश)
फोन: +91-7285-265401-265404, 265417

कॉर्पोरेट कार्यालय : भीलवाड़ा टॉवर्स, ए–12 सेक्टर–1, नोएडा – 201 301, (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र–दिल्ली)
फोन: +91-120-4390300, 4390000 (EPABX)
ईमेल: maral.investor@lnjbhilwara.com; वेबसाइट: www.maraloverseas.com

PROUD TO BE INDIAN PRIVILEGED TO BE GLOBAL

वार्षिक आम बैठक (36वीं एजीएम), रिमोट ई–वोटिंग की सूचना

1 अगस्त, 2025 को जारी किए गए हमारे अखबार के विज्ञापन के क्रम में, एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मराल ओवरसीज़ लिमिटेड **("कम्पनी")** के सदस्यों का **36वीं एजीएम शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 को अपराह्न 2:00 बजे**, कम्पनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों, उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों, सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएँ और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015, के साथ पठित कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय या सेबी द्वारा इस संबंध में जारी परिपत्र(ओं) के अनुपालन में, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल साधनों **("वीसी/ओएवीएम")** के माध्यम से, एजीएम स्थल पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, 36वीं एजीएम की सूचना में निर्दिष्ट सामान्य एवं विशेष व्यवसायों के सम्पादन हेतु आयोजित किया जाएगा। वार्षिक आम बैठक का स्थान कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय माना जाएगा।

36वीं एजीएम की सूचना एवं वित्तीय वर्ष 2024–25 हेतु कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट, **बुधवार, 6 अगस्त, 2025** को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कम्पनी के उन सदस्यों को प्रेषित कर दी गई हैं, जिनके पास **शुक्रवार, 1 अगस्त, 2025** तक शेयर प्रतिरक्षित हों तथा जिनके ईमेल पते कम्पनी/डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त, उन शेयरधारकों, जिनका ईमेल पता कम्पनी/डीपी के पास पंजीकृत नहीं है, को 36वीं एजीएम की सूचना एवं वार्षिक रिपोर्ट के सटीक पथ सहित वेब–लिंक प्रदान करने वाला एक पत्र भेजा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति उन सदस्यों को प्रदान की जाएगी जो इसके लिए maral.investor@lnjbhilwara.com पर अनुरोध करेंगे।

ई–वोटिंग की कट–ऑफ तारीख अर्थात् शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025 को भौतिक रूप में या डीमैट रूप में शेयर प्रतिरक्षित करने वाले सदस्य, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड ("एनएसडीएल") द्वारा प्रदान की गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली ("रिमोट ई–वोटिंग") के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपना वोट डाल सकते हैं। सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि:–

i) 36वीं एजीएम की सूचना में निर्धारित साधारण एवं विशेष व्यवसायों का सम्पादन इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मतदान द्वारा किया जाएगा;

ii) रिमोट ई–वोटिंग **मंगलवार, 26 अगस्त, 2025 को 9:00 बजे पूर्वाह्न (आईएसटी) आरम्भ** होगी; तथा **बृहस्पतिवार, 28 अगस्त, 2025 को 5:00 बजे अपराह्न (आईएसटी)** समाप्त होगी;

iii) ई–वोटिंग अथवा 36वीं एजीएम के दौरान ई–वोटिंग प्रणाली के माध्यम से मतदान करने की पात्रता निर्धारित करने हेतु **कट–ऑफ तिथि शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025** है;

iv) कोई भी व्यक्ति, जो कम्पनी के शेयर खरीदता है और कम्पनी द्वारा ईमेल के माध्यम से 36वीं एजीएम की सूचना भेजे जाने के बाद कम्पनी का सदस्य बनता है एवं 22 अगस्त, 2025 ("कट–ऑफ तारीख") तक शेयर प्रतिरक्षित रखता है, वह evoting@nsdl.co.in पर एनएसडीएल को या कम्पनी के ईमेल पते maral.investor@lnjbhilwara.com पर अनुरोध भेजकर यूजर आईडी और पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। हालांकि, यदि कोई व्यक्ति पहले से ही रिमोट ई–वोटिंग हेतु एनएसडीएल के साथ पंजीकृत है तो वोट डालने के लिए मौजूदा यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है;

v) **सदस्य कृपया ध्यान दें कि: क)** मतदान हेतु उपर्युक्त तिथि एवं समय के उपरान्त रिमोट ई–वोटिंग मॉड्यूल निष्क्रिय कर दिया जाएगा तथा एक बार सदस्य द्वारा प्रस्ताव पर वोट डाल दिए जाने के पश्चात्, सदस्य को बाद में इसे बदलने की अनुमति नहीं दी जाएगी; **ख)** जिन सदस्यों ने 36वीं एजीएम की तिथि से पूर्व रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट डाला हो, वे वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 36वीं एजीएम में भाग ले सकते हैं, परन्तु 36वीं एजीएम के दौरान ई–वोटिंग प्रणाली के माध्यम से पुनः अपना वोट डालने हेतु अधिकृत नहीं होंगे; **ग)** 36वीं एजीएम में भाग लेने वाले सदस्य, जिन्होंने रिमोट ई–वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाला हो, वे 36वीं एजीएम के दौरान ई–वोटिंग प्रणाली के माध्यम से अपना वोट डालने हेतु अधिकृत होंगे; एवं **(घ)** वह व्यक्ति जिसका नाम ई–वोटिंग हेतु कट–ऑफ तिथि को सदस्यों के रजिस्टर या डिपॉजिटरी द्वारा अनुरक्षित लाभभोगी स्वामियों के रजिस्टर में दर्ज हो, वह रिमोट ई–वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने, वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से 36वीं एजीएम में भाग लेने तथा 36वीं एजीएम के दौरान ई–वोटिंग करने हेतु अधिकृत होगा।

vi) 36वीं एजीएम की सूचना एवं कम्पनी की वार्षिक रिपोर्ट कम्पनी की वेबसाइट www.maraloverseas.com, स्टॉक एक्सचेंजों अर्थात् बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट www.nseindia.com पर तथा एनएसडीएल (एजीएम के दौरान रिमोट ई–वोटिंग और ई–वोटिंग सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी) की वेबसाइट अर्थात् www.evoting.nsdl.com पर भी उपलब्ध है।

vii) किसी भी प्रश्न के मामले में, सदस्य www.evoting.nsdl.com के डाउनलोड अनुभाग में उपलब्ध शेयरधारकों हेतु फ्रीक्वेंटली आस्कड क्वेश्चन (FAQ) एवं शेयरधारकों हेतु ई–वोटिंग यूजर मैन्युअल देख सकते हैं या टोल फ्री नंबर: 022–4886 7000 पर कॉल कर सकते हैं या evoting@nsdl.co.in पर अनुरोध भेज सकते हैं। रिमोट ई–वोटिंग या ई–वोटिंग की सुविधा से जुड़ी किसी भी शिकायत के मामले में, कृपया सुश्री पल्लवी म्हात्रे, वरिष्ठ प्रबंधक, एनएसडीएल से तृतीय तल, नमन चैंबर, प्लॉट सी–32, जी–ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र – 400 051 एवं निर्दिष्ट ईमेल आईडी: evoting@nsdl.co.in पर संपर्क करें।

viii) जिन सदस्यों ने अभी तक अपने ईमेल पते पंजीकृत नहीं कराए हैं, उनसे अनुरोध है कि वे नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन करके अपने ईमेल पते पंजीकृत करा लें:

क. भौतिक रूप शेयर प्रतिरक्षित करने वाले सदस्यों हेतु, कृपया फॉर्म ISR-1 में हस्ताक्षरित अनुरोध पत्र की स्कैन कॉपी, जिसमें आपका फोलियो नंबर, शेयरधारक का नाम, शेयर प्रमाणपत्र की प्रति (सामने और पीछे), पूरा पता, पंजीकृत किए जाने वाले ईमेल पते के साथ–साथ पैन की स्कैन की गई स्व–सत्यापित प्रति का उल्लेख हो, एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड ("आरटीए") को 179–180, डीएसआईडीसी शेड, तृतीय तल, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज–1, नई दिल्ली–110020 पर भेजें।

ख. डीमैट रूप में शेयर प्रतिरक्षित करने वाले सदस्यों हेतु, कृपया अपने संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के माध्यम से अपना ईमेल पता अद्यतनित करें।

उपरोक्त जानकारी कम्पनी के सभी सदस्यों की जानकारी और लाभ हेतु जारी की जा रही है एवं यह एमसीए परिपत्रों तथा सेबी परिपत्रों के अनुपालन में है।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते मराल ओवरसीज़ लिमिटेड
हस्ता/–
संदीप सिंह
कम्पनी सचिव व अनुपालन अधिकारी
एफसीएस – 9877

स्थान : नोएडा (उ.प्र.)
दिनांक : 6 अगस्त, 2025

प्रदेश में कब तक असुरक्षित रहेंगी बेटियां : जीतू

नवभारत न्यूज

भोपाल/सीधी, 06 अगस्त. सीधी जिले से एक बार फिर मानवता को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है. चुरहट के जंगल में एक दलित युवती के साथ पांच बदमाशों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म किया गया.

इस शर्मनाक वारदात ने प्रदेश में महिलाओं, विशेषकर दलित और आदिवासी वर्ग की बेटियों की सुरक्षा पर फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री पर तीखा हमला बोला है.

उन्होंने ट्वीट पर कहा, मुख्यमंत्री बनाम गृहमंत्री, अब सीधी में एक दलित युवती से गैंगरेप का मामला सामने आया है. 5 बदमाशों ने चुरहट के जंगल में यह शर्मनाक कृत्य किया है. सिस्टम की पोल खोलती इस घटना से मप्र की लाड़लियों के मन में असुरक्षा पैदा हो रही है. पटवारी ने भाजपा सरकार से सवाल किया है कि आखिर कब तक प्रदेश की बेटियां असुरक्षित रहेंगी और पुलिस-प्रशासन कब नींद से जागेगा? बीते 3 वर्षों में प्रदेश में दलित और आदिवासी महिलाओं के साथ बलात्कार की 7,418 घटनाएं, 558 हत्याएं और 338 गैंगरेप के मामले दर्ज हुए हैं. औसतन हर दिन 7 दलित, आदिवासी महिलाओं के साथ बलात्कार होता है. उन्होंने देवास, भिंड, नरसिंहपुर और अन्य जिलों की घटनाओं पर कहा कि कभी जिंदा जलाया जाता है, तो कभी एफआईआर नहीं होती है. सुनवाई नहीं होने पर पीड़िता को आत्महत्या करनी पड़ती है.

दोषियों को सख्त सजा दो, बेटियों को न्याय दो

जीतू पटवारी ने ट्वीट के अंत में दो टूक कहा, मैं फिर मांग करता हूं कि सीधी के दोषियों को सख्त सजा दी जाए, पीड़िता को न्याय मिले और प्रदेश में कानून का राज स्थापित हो. सत्ता की निष्क्रियता, अपराधियों के बढ़ते हौसले और पीड़ितों को न्याय न मिल पाना, यह सरकार की प्रमुख विफलताएं हैं. अब देखना होगा कि सरकार इस गंभीर प्रकरण पर क्या कदम उठाती है. फिलहाल सीधी की यह घटना राज्य में महिला सुरक्षा को लेकर हो रहे दावों पर बड़ा प्रश्नचिह्न बनकर उभरी है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 **RNI Reg. No.7590/60**